

Shri Chitragupt Aarti Lyrics in Hindi English

Shri Chitragupt Aarti Lyrics in Hindi

ॐ जय चित्रगुप्त हरे,
स्वामीजय चित्रगुप्त हरे ।
भक्तजनों के इच्छित,
फलको पूर्ण करे ॥

विघ्न विनाशक मंगलकर्ता,
सन्तनसुखदायी ।
भक्तों के प्रतिपालक,
त्रिभुवनयश छायायी ॥
ॐ जय चित्रगुप्त हरे... ॥

रूप चतुर्भुज, श्यामल मूरत,
पीताम्बरराजै ।
मातु इरावती, दक्षिणा,
वामअंग साजै ॥
ॐ जय चित्रगुप्त हरे... ॥

कष्ट निवारक, दुष्ट संहारक,
प्रभुअंतर्यामी ।
सृष्टि सम्हारन, जन दुःख हारन,
प्रकटभये स्वामी ॥
ॐ जय चित्रगुप्त हरे... ॥

कलम, दवात, शंख, पत्रिका,
करमें अति सोहै ।
वैजयन्ती वनमाला,
त्रिभुवनमन मोहै ॥
ॐ जय चित्रगुप्त हरे... ॥

विश्व न्याय का कार्य सम्भाला,
ब्रम्हाहर्षाये ।
कोटि कोटि देवता तुम्हारे,
चरणनमें धाये ॥
ॐ जय चित्रगुप्त हरे... ॥

नृप सुदास अरू भीष्म पितामह,
यादतुम्हें कीन्हा ।
वेग, विलम्ब न कीन्हौं,
इच्छितफल दीन्हा ॥
ॐ जय चित्रगुप्त हरे... ॥

दारा, सुत, भगिनी,
सबअपने स्वास्थ के कर्ता ।
जाऊँ कहाँ शरण में किसकी,
तुमतज मैं भर्ता ॥
ॐ जय चित्रगुप्त हरे... ॥

बन्धु, पिता तुम स्वामी,
शरणगहूँ किसकी ।
तुम बिन और न दूजा,
आसकरूँ जिसकी ॥
ॐ जय चित्रगुप्त हरे... ॥

जो जन चित्रगुप्त जी की आरती,
प्रेम सहित गावैं ।
चौरासी से निश्चित छूटैं,
इच्छित फल पावैं ॥
ॐ जय चित्रगुप्त हरे... ॥

न्यायाधीश बैकुण्ठ निवासी,
पापपुण्य लिखते ।
'नानक' शरण तिहारे,
आसन दूजी करते ॥

ॐ जय चित्रगुप्त हरे,
स्वामीजय चित्रगुप्त हरे ।

भक्तजनों के इच्छित,
फलको पूर्ण करे ॥

Shri Chitrugupt Aarti Lyrics in English

Om Jai Chitrugupt Hare,
Swami Jai Chitrugupt Hare.
Bhaktajanon ke Ichchhit,
Phalko Purn Kare.

Vighna Vinashak Mangal Karta,
Santansukhdaayi.
Bhakton ke Pratipalak,
Tribhuvanyash Chhaayi.
Om Jai Chitrugupt Hare...

Roop Chaturbhuji, Shyamal Moorat,
Peetambar Rajai.
Maatu Iravati, Dakshina,
Vam Ang Saajai.
Om Jai Chitrugupt Hare...

Kasht Nivarak, Dusht Sanhaarak,
Prabhu Antaryami.
Srishti Samhaaran, Jan Dukh Haaran,
Prakatbhaye Swami.
Om Jai Chitrugupt Hare...

Kalam, Davaat, Shankh, Patrika,
Karmein Ati Sohail.
Vaijayanti Vanmaala,
Tribhuvanman Mohai.
Om Jai Chitrugupt Hare...

Vishw Nyay Ka Kaarya Sambhaala,
Brahmaharshaaye.
Koti Koti Devta Tumhare,
Charanon Mein Dhaaye.

Om Jai Chitragupt Hare...

Nrip Sudas Aru Bhishma Pitamah,
Yaad Tumhein Kinha.
Veg, Vilamb N Kinha,
Ichchhitphal Dinha.
Om Jai Chitragupt Hare...

Daara, Sut, Bhagini,
Sab Apne Swasth Ke Karta.
Jaun Kahan Sharan Mein Kiski,
Tumte Main Bharta.
Om Jai Chitragupt Hare...

Bandhu, Pita Tum Swami,
Sharan Gahun Kiski.
Tum Bin Aur Na Dooja,
Aas Karun Jiski.
Om Jai Chitragupt Hare...

Jo Jan Chitragupt Ji Ki Aarti,
Prem Sahit Gaavein.
Chaurasi Se Nishchit Chhootain,
Ichchhit Phal Paavein.
Om Jai Chitragupt Hare...

Nyayadhish Baikunth Nivasi,
Paappuny Likhtay.
'Nanak' Sharan Tihare,
Aasan Dooji Karte.

Om Jai Chitragupt Hare,
Swami Jai Chitragupt Hare.
Bhaktajanon ke Ichchhit,
Phalko Purn Kare.

About Shri Chitragupt Aarti in English

“Shri Chitragupt Aarti” is a devotional hymn dedicated to Lord Chitragupt, the divine deity responsible for maintaining the records of human deeds, both good and bad. He is the chief accountant of the Yama Lok (realm of death) and plays a crucial role in determining the fate of souls based on their actions during their lifetime. Lord Chitragupt is considered the god of justice, and his worship is believed to bring protection, prosperity, and relief from any misfortune.

The aarti begins by invoking Lord Chitragupt, acknowledging his divine role in managing the records of life's actions. It praises his wisdom, impartiality, and his power to protect the righteous and punish the wrongdoers. The hymn also highlights the various offerings made to him, such as flowers and incense, to seek his blessings for a prosperous and righteous life.

The aarti emphasizes his role in removing obstacles, bringing peace, and helping devotees lead a virtuous life. It is believed that by chanting the “Shri Chitragupt Aarti” with devotion, one can seek protection from all kinds of difficulties, improve their destiny, and attain spiritual progress. The aarti is an expression of faith in Lord Chitragupt's divine justice and mercy.

About Shri Chitragupt Aarti in Hindi

“श्री चित्रगुप्त आरती” एक भक्ति गीत है जो भगवान चित्रगुप्त की महिमा का वर्णन करता है। भगवान चित्रगुप्त को न्याय के देवता और यमराज के सहायक के रूप में पूजा जाता है। वे हमारे सभी अच्छे और बुरे कर्मों का हिसाब रखते हैं और जीवन के हर कार्य का लेखा-जोखा करते हैं। उनके द्वारा रखा गया लेखा ही हमें अगले जन्म में हमारे कर्मों के अनुसार फल प्रदान करता है।

यह आरती भगवान चित्रगुप्त के दिव्य रूप, उनकी निष्पक्षता और न्यायप्रियता का बखान करती है। इस गीत में भगवान चित्रगुप्त से प्रार्थना की जाती है कि वे अपने भक्तों की रक्षा करें, उनके कष्टों को दूर करें और उन्हें पुण्य की ओर मार्गदर्शन करें। साथ ही यह आरती यह भी प्रकट करती है कि भगवान चित्रगुप्त अपनी कृपा से भक्तों के जीवन में समृद्धि, सुख और शांति लाते हैं।

आरती में भगवान चित्रगुप्त के अद्वितीय गुणों का वर्णन करते हुए उनके आशीर्वाद के लिए प्रार्थना की जाती है। यह आरती भगवान के प्रति श्रद्धा और विश्वास को व्यक्त करने का एक रूप है, जिसके द्वारा भक्त अपने जीवन में सभी विघ्नों को दूर करने की प्रार्थना करते हैं और धर्म के मार्ग पर चलने का संकल्प लेते हैं।